नेपोलियन के पतन के कारण (भाग 2)

Causes for downfall of Napoleon

For: U.G.Part-2,Paper-4

8. **संबंधियों की अयोग्यता :** नेपोलियन ने अपने संबंधियों को राज्य में ऊंचे पद दिए थे परंतु वे अयोग्य सिद्ध हुए। उन्होंने नेपोलियन के साथ विश्वासघात भी किया। स्वयं नेपोलियन ने कहा था कि- **मैंने अपने संबंधियों के प्रति जितना अच्छा व्यवहार किया उतनी ही उन्होंने मुझको हानि पहुंचाई।**

9. जनता में श्रद्धा का अभाव: नेपोलियन के विशाल साम्राज्य में अनेक जातियों के मनुष्य रहते थे और उसके प्रति श्रद्धा तथा भक्ति नहीं रखते थे। उनमें राष्ट्रीयता की भावना उदय हो रही थी। वे अवसर पाकर विदेशी शासन से मुक्त होना चाहते थे। स्वंय फ्रांस की जनता को नेपोलियन की विजयों के प्रति पहले जैसी सहानुभूति न रह गई थी। नेपोलियन निरंकुशता का प्रतीक था। उसने जनता को शासनकाल में भागीदारी नहीं दी थी जिसे लेकर जनता में इससे बड़ा असंतोष था। जनता धीरे-धीरे

Scanned with CamScanner

अपने अधिकारों की मांग करने लगी थी परंतु नेपोलियन इसके लिए तैयार ना था। अतः दोनों में संघर्ष अनिवार्य बन गया।

10. **पोप से संघर्ष:** नेपोलियन ने पोप पर दबाव दिया कि वह उसकी व्यापार बहिष्कार की नीति का पालन करें। परंतु पोप ने इसका पालन करना स्वीकार नहीं किया। इस पर नेपोलियन ने पोप के राज्य पर अधिकार कर लिया तथा पोप को बंदी बना लिया। पोप ने उसको धर्म से बहिष्कृत कर दिया। वह समस्त कैथोलिक संसार का गुरु था ।अतः समस्त कैथोलिक उसके विरोधी हो गए। विद्वानों ने नेपोलियन के इस कार्य को उसकी भयंकर भूल बतलाया है।

11. **स्पेन से संघर्ष:** स्पेन का राजा नेपोलियन का मित्र था परंतु उसने उसके साथ विश्वासघात कर उसको अपना शत्रु बना लिया। उसने स्पेन की गृह कलह से लाभ उठाकर स्पेन पर अधिकार कर लिया। स्पेन के नागरिकों ने इसको अपना व्यक्तिगत अपमान समझा तथा समस्त देश में नेपोलियन के विरुद्ध प्रचार होने लगा। शीघ्र ही समस्त देश में राष्ट्रीयता की लहर दौड़ गई। स्पेन का एक- एक बच्चा नेपोलियन का शत्रु हो गया। स्पेन की देखा देखी प्रशा, रूस, जर्मनी तथा इटली आदि देशों में भी

Scanned with CamScanner

राष्ट्रीयता की लहर छा गई जो नेपोलियन के पतन का कारण बनी। नेपोलियन ने इसे स्वीकार करते हुए कहा कि- **स्पेन के फोड़े ने उसका सर्वनाश कर दिया।**

12. **<u>रूस से संघर्ष</u>:** रूस का जार भी नेपोलियन का मित्र था। नेपोलियन ने अपनी महत्वाकांक्षा की पूर्ति के लिए रूस पर आक्रमण कर दिया। यह उसकी भयंकर भूल थी। रूस में उसकी विशाल सेना के 5 लाख 80 हजार सैनिक मारे गए। मात्र 20 हजार सैनिक वहां से बचकर आए। नेपोलियन की शक्ति का यह महाविनाश था। अंत में रूस का अभियान उसके पतन का सबसे बड़ा कारण बना।

13.**<u>स्थाई योजना का अभाव :</u>** नेपोलियन ने यूरोप के पुनर्निर्माण की जितनी भी योजनाएं बनाई थी वह सभी अस्थाई थी। वास्तव में कोई भी विचार उसके मस्तिष्क में अधिक समय तक न रहता था। **फिशर** का कहना है कि वह बालकों के घरौंदो की भाँति अपनी योजनाओं को निरंतर बनाता बिगड़ता रहता था। उसके इस अस्थायित्व ने उसके साम्राज्य को भीतर से निर्बल कर दिया।

BY:ARUN KUMAR RAI

Asst.Professor,Maharaja College,Ara.

Scanned with CamScanner